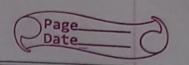
शिट्यः १४ - ह्य - मुश्न - शर्ड



- ६१। अशात डिव अडाहा कि प्राया सिकार हिन् मुख्तु - भीतालन परीधन JSHU 17/201 (1988) (1-18/8/8-10 स्मिट्सिका

મચિના પ્રકાના અકિ બે વાક્યોમાં ઉત્તર લખી.

टयवरार्वर व्यनि अधिववर वस्य सी लह छ ?

व्यवस्थारवर स्मेटले स्मेडली भूनी साधी स्मारी व्यवसर परवी, ज्यारे व्यापा अिंद्रायदानी बीत ब्येटिन डींडिना अपडार डिपर डिपडार डरवारे.

विपनि व्यावी त्यारी उद्यंभ आ। भारी उरवी अधिकी १ (2) विपत्ति व्यावी त्यारी भागसी भुंजावानी जहली उद्यम (परिप्रम) 94164 अरवी मिर्छ : पारल हे उद्यम प्रयाशि क मालसनी विपिन् हूर पर्छ अप छी, भ्रंजाधनी जीसी बहिवाधी नहि.

डिविना भने विपत्तिनी व्याभनी डिवी रीनी डिक्वी किर्छकी १ (3) विपत्ति क्यावी त्यारी भागसी भूजावानी जहली सरिप्रम् डरवी कपाज. भोध्ये, डारण डे उद्यम प्रयाधी क भाणसनी विपति दूर पर्ध

નિચેના ત્રષ્નોના ત્રણ- શાર વાક્યોમાં ઉત્તર લખી.

हार्ध्रुमां लक्षणी क्लावी. कवाल हाराष्ट्र 5. 7 5 क्यों मा हुए प्रांक्य अरमी साही, अंशिय क्यान

यितात्मड डाप्यकृति ही, क्रीनी प्रत्येड शएट क्रीड-क्रीड सींध्यीयता उपसादी छी. अमे। डहवाय हिंडे हाहडू क जीने हे. डिस्न विशिष्ट किलाम के प्राथमा

મુક્તકનાં લક્સણી જણાવી. (2)

मुड्त क क्षेत्रियत हीप ही. की आगरमां सागर क्षमावा क्षेत्रं अभ डर ही. भीना, व्यार, शोर्थ, प्यांतन, प्रकृति, जीय वर्गरी विषयीनी मुझाड स्थार शित क्रू डरे छी. मुस्तड भीती कीयुं नानुं पण कात्यंत तेष्ठस्थी श्राय छी. अनी लापा अरण, प्रासयुक्त रमनी खीटहार हीय छो.

